म.प्र. में झींगा उत्पादन की संभावनाऐं

जबलपुर। आज दिनांक 07 जून 2018 दिन गुरूवार को ना.दे.प.चि.विज्ञान विश्वविद्यालय, जबलपुर में स्थित कुलपति सभागार में एक प्रेस वार्ता का आयोजन माननीय कुलपति महोदय जी, डॉ. प्रयाग दत्त जुयाल मुख्य आतिथ्य में संपन्न हुई। इस प्रेस वार्ता के अंतर्गत डॉ. एस. के. महाजन, प्रभारी अधिष्ठाता, मत्स्य विज्ञान महाविद्यालय, जबलपुर द्वारा म.प्र. में झींगा उत्पादन के संभावनाओं पर पावर पॉइंट प्रजेन्टेशन करते हुए झींगा मछली उत्पादन के महत्वपूर्ण बिन्दुओं जैसे– बीज स्त्रोत, पानी की गुणवत्ता, मिट्टी की गुणवत्ता, महत्वपूर्ण पोषक (जैसे प्रचुर मात्रा में प्रोटीन, सेलेनियम, विटामिन E, विटामिन B_{12}) प्रजनन समयावधि, संर्वधन विधि, झींगा का आहार, झींगा वृद्धि दर, मत्स्य पालकों का इस खेती से आदि बिन्दुओं पर विस्तृत तकनीकि जानकारी से अवगत कराया। कार्यक्रम की श्रृखंला में कुलपति महोदय ने प्रेस और इलेक्ट्रानिक मिडिया के स्थानीय समाचार पत्रों के संवाददाताओं को उद्‌बोधित करते हुए बताया कि मत्स्य पालकों/कृषकों की आय को दो गुनी करने में झींगा पालन समेकित कृषि प्रणाली का न केवल एक अभिन्न अंग होगा वरन् झींगा का सेवन पोषण गुणवत्ता के रूप से भी अत्यन्त महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वाहन करेगा साथ ही यह म.प्र. के प्राकृतिक जल स्त्रोतों नदियों, के अलावा तालाबों आदि में इसके उत्पादन करते हुए प्रदेश के बेरोजगार युवा उद्यमी तथा बहुत कृषकों को मत्स्य पालक/पशुपालकों को रोजगार के अवसर दिलायेगा।

झींगा के विभिन्न उत्पाद तथा वैल्यू ऐडिसन से उत्पादन के मूल्य वृद्धि में भी सहायक होगी। उक्त वार्ता में झींगा पालन को आर्थिक लाभ रू. 50,000 लाभ अर्जित कर सकते है। आगामी 10 जून 2018 दिन रविवार को विश्वविद्यालय प्रांगण में राज्य स्तरीय कृषि समृद्धि मेले का आयोजन होना सुनिश्चित है जिसके अंतर्गत पशुचिकित्सा एवं पशुपालन महाविद्यालय, मत्स्य पालन का विभिन्न विधाओं का प्रचार प्रसार प्रर्दशनी के माध्यम से कृषकों हितार्थ किया जाना है। संस्कारधानी के 11 समाचार पत्रों के संवादताओं की इस प्रेस वार्ता कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के डॉ. यशपाल साहनी, संचालक अनुसंधान सेवायें, डॉ. आर.पी.एस. बघेल, अधिष्ठाता, पशुचिकित्सा एवं पशुपालन महाविद्यालय, जबलपुर, डॉ. ए.के. गौर , तथा डॉ. एस.के. महाजन, मत्स्य विज्ञान महाविद्यालय, डॉ. सोना दुबे व प्रीति मिश्रा की उपस्थिति उल्लेखनीय रही।